□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□, □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□□

Wednesday, 12 June 2013 15:10

लंदन□ वैज्ञानिकों ने □क ब□ी सफलता हासलि करते हु□ मानवीय शरीर रचना के हस्सि आंख के कोर्नयिा में नयी परत को खोज नकिला है और इसका नाम इसकी खोज करने वाले भारतीय शोधकर्ता के नाम पर रखने का फैसला कयिा है□

इंसान की आंख के अगले हस्सि को कोर्नयिा कहा जाता है □

ब्रटिेन में यूनविर्सटिी आफ नॉटघिम के शोधकर्ताओं द्वारा की गयी इस खोज से चकित्सिकों को कोर्नयिा ग्राफ्टगि करवाने या कोर्नयिा प्रत्यारोपण करवाने वाले मरीजों को अधकि अच्छे परणािम देने में मदद मलिेगी□

कोर्नयिा की नयी खोजी गयी इस परत का नाम ''दुआ'ज लेयर'' रखा गया है □ प्रोफेसर हरमदिंर दुआ ने इसकी खोज की है □ इससे पहले वैज्ञानिकों को कोर्नयिा की इस परत के बारे में कोई जानकारी नहीं थी□

आंख के अगले हस्सि में कोर्नयिा □क स्पष्ट सुरक्षात्मक लैंस होता है जसिके माध्यम से प्रकाश आंख में प्रवेश करता है □

पहले वैज्ञानिकों का मानना था कि कोर्नयिा की आगे से लेकर पीछे तक पांच परतें होती हैं जन्हिें कोर्नयिल ऐपथिलियिम , बोमैन्स लेयर, कोर्नयिल स्ट्रोमा , डसिमेट्स मैम्ब्रेन तथा कोर्नयिल □ंडोथेलयिम कहा जाता है □

नयी खोजी गयी परत कोर्नयिल स्ट्रोमा और डसिमेट्स के बीच स्थति है □

हालांकि यह केवल 15 माइक्रोन्स मोटाई की है लेकनि यह बेहद मजबूत है □ पूरे कोर्नयिा की मोटाई करीब 550 माइक्रोन्स या 0 Þ 5 ममिी होती है □

प्रोफेसर दुआ ने कहा कि यह □क ब□ी खोज है जसिका मतलब है कि नेत्र वज्ञिान से संबंधी पाठ्य पुस्तकों को फरि से लखिने की जरूरत होगी□

उन्होंने बताया, '' कोर्नयिा के उत्तकों की गहराई में इस नयी और अनोखी परत की खोज के बाद , अब हम इसकी दबाव सहने की क्षमता का इस्तेमाल कर मरीजों की आंखों का आपरेशन अधकि सुरक्षति और आसान तरीके से करने की संभावनाओं का पता लगा सकते हैं □''

यह शोध रपिोर्ट आपथैलमोलोजी जर्नल में प्रकाशति हुई है □

(भाषा)